सेन्ट्रल जोन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से सम्बद्ध)

प्रभांजलि, 33, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

क्षेत्रीय कामकाजी महिला समन्वय समिति

दिनांक : 01.10.2013

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

विषय : उमंग और उत्साह के साथ भोपाल में चतुर्थ कामकाजी क्षेत्रीय महिला सम्मेलन सम्पन्न।

CZIEA की कार्यकारिणी समिति के निर्णय के अनुसार क्षेत्रीय कामकाजी महिला समन्वय समिति का चतुर्थ सम्मेलन भोपाल में दिनांक 29 सितम्बर 2013 को आयोजित किया गया। सम्मेलन स्थल का. लक्ष्मी सहगल नगर, नार्मदीय भवन को BDIEU के साथियों ने फूलों की रंगोली, हाथों से बनाये पोस्टरों से सजाया था, शहर में लगी झंडियां-तोरण और बैनर सम्मेलन स्थल का पता बता रहे थे। सम्मेलन की मुख्य अतिथि अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की राष्ट्रीय सचिव तथा उत्तर प्रदेश इकाई की अध्यक्ष का. मधु गर्ग थी, विशिष्ट अतिथि मध्यप्रदेश इकाई की महासचिव का. संध्या शैली तथा CZIEA के उपाध्यक्ष का. पूषण भट्टाचार्य, CZIEA के सहसचिव द्वय का. एस.के. घोष एवं का. धर्मराज महापात्र थे।

सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए का. मधु गर्ग ने का. लक्ष्मी सहगल की याद को सलाम किया। उन्होंने AIIEA के संघर्षों को सलाम किया। उन्होंने अपने संगठन द्वारा किये गये सर्वे का जिक्र किया जिसमें LIC की महिला कर्मचारियों से मिलने पर उनका संगठन के प्रति समर्पण और विश्वास और उससे उपजे आत्म-विश्वास को महसूस किया। डंकल प्रस्ताव और नई आर्थिक नीतियों का विरोध सबसे पहले AIIEA ने किया और अपने सदस्यों को सरकार की गलत नीतियों को समझाया, उन्होंने कहा कि हमने भी इसे AIIEA के द्वारा ही जाना। उन्होंने सरकार की नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन नीतियों का ही नतीजा है एक देश में दो देश हो गये है - एक है चमकता भारत और दूसरा सिसकता भारत। अमीर और अमीर होते जा रहे हैं तथा गरीबों का जीना भी मुश्किल हुआ जा रहा है। महंगाई बढ़ रही है मजदूरी घट रही है। महिलाओं के हुनर का इस्तेमाल कर रहे हैं किन्तु भुगतान अत्यंत कम हो रहा है। पहले पढ़ा था कि आवश्यकता आविष्कार की जननी है अब इसे उल्टा कर दिया गया है बाजार हमें हमारी आवश्यकता बता रहा है वही महिलाओं की छवि तय कर रहा है, मीडिया में संघर्षशील महिलायें दिखाई ही नहीं देती। T.V. ने लालसा बढ़ाई है, दहेज प्रथा जहां नहीं थी वहां भी यह शुरू हो गई है बाजार ने इसे बढ़ावा दिया है। रूढ़िवाद, अंधविश्वास और गलत परम्पराओं को भी बाजार ही बढ़ा रहा है। धर्म के नाम पर नफरत फैलाई जा रही है। ट्रेड यूनियन जाति-धर्म से ऊपर उठकर सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करते है इसीलिए ट्रेड यूनियनों को कमजोर करने की साजिश की जा रही। ट्रेड यूनियन को अपने सदस्यों को लगातार शिक्षित और जागरूक करना होगा। आपके प्रत्येक संघर्ष में अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति साथ रहेगी।

विशिष्ट अतिथि का. संध्या शैली ने अपने उद्बोधन में कहा कि AIIEA का इतिहास गौरवशाली रहा है। AIIEA ने नई आर्थिक नीतियों के खिलाफ, साम्प्रदायिकता के खिलाफ जागरूकता बढ़ाई है और संघर्ष किया है। मध्यप्रदेश में भी AIIEA व AIDWA को मिलकर काम करना चाहिये, संघर्ष करना चाहिये। साम्प्रदायिकता पहली दुश्मन महिलाओं की है। कट्टरपंथ के खिलाफ अपने अधिकारों के लिए हम एकजुट हों। महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए और संघर्ष करना होगा। देश को बचाने और मजबूत करने वाले पब्लिक सेक्टर को बचाये रखने के लिए लगातार संघर्ष करना होगा। CZIEA के सहसचिव का. धर्मराज महापात्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि नव-उदारवाद की अंधी दौड़ ने महिलाओं को वस्तु के रूप में अधिक प्रचारित किया है। महिलायें भी कामकाजी हैं कामगार के रूप में उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जाता है। धर्म-जाति लिंग के नाम पर भेदभाव किया जाता है। हमारी जिम्मेदारी है कि इन महिला विरोधी ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर जनवादी ताकतों को मजबूती प्रदान कर बेहतर समाज का निर्माण करें, यही AIIEA, CZIEA का सपना है। का. एस.के. घोष ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम पुरूष प्रधान समाज की बात

करते हैं तो पुरूषों के खिलाफ नहीं उन्हें भी महिलाओं से जुड़ी हर समस्या पर विचार करने और परिस्थितियों पर चर्चा कर उन्हें बदलने के संघर्ष में अपने साथ लाने की बात करते हैं क्योंकि दोष व्यवस्था में है। उद्घाटन सत्र में लगभग 200 महिलायें और 100 से अधिक पुरूष साथी मौजूद थे। संयोजिका के धन्यवाद ज्ञापन के साथ उद्घाटन सत्र समाप्त हुआ।

प्रतिनिधि सत्र में संयोजिका का. उषा परगनिहा द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन का पठन 8 मंडलों की महिला साथियों का. लक्ष्मी मिस्त्री, का. आरती पाण्डेय, का. नीलिमा कुलकर्णी, का. मारिया टिर्की, का. सुचित्रा एक्का, का. सुषमा अग्रवाल, का. वर्षा उमाठे, का. सुनीता सिंह, का. ज्योति पाटिल, का. शुभदा चौधरी, का. सविता लालगे, का. रजनी भारती, का. छाया शर्मा ने किया। संयोजिका के प्रतिवेतन पर का. अंजना बाबर, का. सुधा पंताने, का. सेरिना खेर, का. संगीता झा, का. मंजू शील, का. सुनीता सिंह, का. मनजीत कौर, का. चंचला गुप्ता, का. गंगा साहू, का. नीलिमा कुलकर्णी, का. प्रतीक्षा सेठी, का. रचना चौहान और का. रंजना मत्ती कुल 13 साथियों ने विचार व्यक्त किये। प्रतिवेदन पर चर्चा करते हुए प्रतिनिधियों ने AIIEA की सराहना किये कि उसने LIC में महिलाओं को सम्मानजनक माहौल उपलब्ध किया है। महिलाओं के प्रति कहीं भी होने वाले अपराधों के खिलाफ एकजुटता का आह्वान किया गया। भ्रूण हत्या, भेदभाव, दहेज के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने-फैलाने की बात साथियों ने किया। मीडिया द्वारा महिलाओं की गलत छवि पेश करने पर रोष प्रकट किया गया। शोषण के खिलाफ, सरकार की उदारीकरण-निजीकरण और वैश्वीकरण की नीति के खिलाफ, विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण, LIC की मजबूती के लिए, बेहतर वेतन पुनर्निर्धारण के लिए एकजुट संघर्ष के विचार भी प्रतिनिधियों ने रखा। संयोजिका द्वारा प्रतिवेदन पर हुई चर्चा का प्रत्युत्तर देने के बाद सर्वसम्मति से प्रतिवेदन पारित किया गया।

सम्मेलन में AIIEA को मान्यता प्रदान करने, बीमा कानून संशोधन विधेयक रद्द करने, महंगाई पर रोक लगाने, सार्थक वेतन पुनर्निर्धारण, महिला उत्पीड़न के खिलाफ और साम्प्रदायिकता के खिलाफ प्रस्ताव पारित किये गये।

सम्मेलन ने प्रत्येक सांगठनिक आह्वान पर सक्रिय भागीदारी दर्ज करने, राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की रक्षा और बीमा संशोधन बिल का विरोध करने, उदारीकरण-निजीकरण-वैश्वीकरण की नीति का विरोध करने, महिलाओं के खिलाफ अपराध और हिंसा का विरोध करने, अंधविश्वास और रूढ़िवाद के खिलाफ संघर्ष करने, मीडिया द्वारा महिलाओं की गलत छवि पेश करने के खिलाफ, कार्यस्थल पर सम्मान, सुरक्षा और आवश्यक सुविधा प्रदान करने, महंगाई के खिलाफ, साम्प्रदायिकता के खिलाफ संघर्ष और जागरूकता, विधायिका में 33 प्रतिशत आरक्षण तथा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सार्थक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया।

सम्मेलन की अध्यक्षता का. गीता पंडित-रायपुर, का. संगीता झा-बिलासपुर, का. वंदना चौबे-जबलपुर, का. जया डेकाटे-भोपाल की अध्यक्ष मंडली ने किया। उद्घाटन सत्र का संचालन का. मंजू शील ने किया। कार्यक्रम का विवरण लेखन का. अंजना बाबर, का. लक्ष्मी मिस्त्री और का. आरती पाण्डेय ने किया। भोपाल और जबलपुर के साथियों ने जनगीत प्रस्तुत किया। सम्मेलन ने जल्द ही अवकाश प्राप्त करने वाली महिला साथियों का. उषा किरण वर्मा, जबलपुर व का. रंजना मत्ती, बिलासपुर को पुष्प और शॉल देकर अभिनंदन किया।

सम्मेलन में सर्वसम्मति से 17 सदस्यीय क्षेत्रीय समन्वय समिति का चुनाव किया गया। जिसमें शामिल सदस्यों के नाम निम्नानुसार है :-

संयोजिका	-	**का. उषा परगनिहा**	**भिलाई**
सदस्य	-	**का. गीता पंडित**	**रायपुर**
		का. गंगा साहू	**रायपुर**
		का. मंजू शील	**भोपाल**
		का. मारिया टिर्की	**भोपाल**
		का. सुधा पंताने	**इंदौर**
		का. श्रुति सोलंकी	**इंदौर**
		का. रंजना मत्ती	**बिलासपुर**
		का. संगीता झा	**बिलासपुर**
		का. गायत्री सूरी	**जबलपुर**
		का. सेरिना खेर	**जबलपुर**
		का. दीपाली सक्सेना	**ग्वालियर**
		का. सुनीता सिंह	**ग्वालियर**
		का. संगीता मल्लिक	**शहडोल**
		का. शबाना	**शहडोल**
		का. अंजु बर्मन	**सतना**
		का. मेबिल जोसफ	**सतना**

हम आशा करते है कि मध्यक्षेत्र की सभी महिला साथी सम्मेलन के आह्वान और लिये गये निर्णयों के अनुरूप संघर्षों में सक्रिय भागीदारी दर्ज करेंगी, संगठन को मजबूती प्रदान करेंगी और अपनी जागरूकता का विस्तार समाज तक करेंगी।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

आपकी साथी

(उषा परगनिहा)

संयोजिका

मुद्रक : एक्सल ऑफसेट प्रिन्टर्स, फूल चौक, रायपुर (छ.ग.)